ब्राह्मण साम्राज्य

→ पुष्यमित्र शुंग, जिसने मगध पर शुंग वंश की नींव डाली, ब्राह्मण जाति का था।
→ शुंग शासकों ने अपनी राजधानी विदिशा में स्थापित की।
→ पुष्यमित्र शुंग ने दो बार अश्वमेध यज्ञ किया। इनके लिए पतंजलि ने अश्वमेध यज्ञ कराए।
→ भरहुत स्तूप का निर्माण पुष्यमित्र शुंग ने करवाया।
→ शुंग वंश का अंतिम शासक देवभूति था। इसकी हत्या 73 ई० पू० में वासुदेव ने कर दी और मगध की गद्दी पर कण्व वंश की स्थापना की।
→ कण्व वंश का अंतिम राजा सुशर्मा हुआ।
→ कण्व वंश का अंतिम शासक की हत्या कर सिमुक ने सातवाहन वंश की स्थापना की।
→ शातकर्णी ने दो अश्वमेध तथा एक राजसूय यज्ञ किया।
→ सातवाहन शासकों के समय के प्रसिद्ध साहित्यकार हाल एवं गुणाढ्य थे।
→ हाल ने गाथासप्तशती तथा गुणाढ्य ने वृहत्कथा नामक पुस्तकों की रचना की।
→ ब्राह्मणों को भूमि-अनुदान देने की प्रथा का आरंभ सातवाहन शासकों ने ही सर्वप्रथम किया।
→ सातवाहनों की राजकीय भाषा प्राकृत एवं लिपि ब्राह्मी
→ सातवाहनों में हमें मातृतंत्रात्मक ढाँचे का आभास भी मिलता है।
→ सातवाहनों की महत्वपूर्ण स्थापत्य कृतियाँ हैं — कार्ले का चैत्य, अजंता एवं एलोरा की गुफाओं का निर्माण एवं अमरावती कला का विकास।
→ सातवाहन राज्य ने उत्तर एवं दक्षिण भारत के बीच सेतु का काम किया।

Scanned with CamScanner